Raj Express (Indore), 9th September 2024, Page-04

समारोह

शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर संस्थान के सभी संकाय सदस्यों के बीच विचार-विमर्श सत्र

शिक्षा का भविष्य : बदलती दुनिया के लिए स्टूडेंट्स को तैयार करना

शिक्षण एक बहुत ही महान पेशा है

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया

● इंदौर / राज न्यूज़ नेटवर्क

शिक्षण एक बहुत ही महान पेशा है। यह किसी व्यक्ति के चरित्र, क्षमता और भविष्य को आकार देता है। हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि भविष्य के इंजीनियर को कार्य के क्षेत्र में प्रभावी होने के लिए बहुमुखी होना चाहिए। इसके लिए हमारी शिक्षण पद्धति को स्टूडेंट्स की योग्यता और सीखने की इच्छा को विकसित करने के लिए नई इंटरैक्टिव और ध्यान आकर्षित करने वाली तकनीकों को विकसित करने में सक्षम होना चाहिए।

बनाते हैं विश्वदृष्टि में संश्लेषित करने में सक्षम

उन्होंने कहा, आज स्टूडेंट्स को जो सिखाया जाना चाहिए, वह है ऐसे कौशल जो उन्हें उपलब्ध जानकारी को समझने, प्रासंगिक विषय-वस्तुओं को चुनने और उन्हें विश्वदृष्टि में संश्लेषित करने में सक्षम बनाते हैं। एआई जानकारी प्रदान करने में अच्छा है, यहां तक कि इसे तार्किक रूप से व्यवस्थित करने में भी, लेकिन सारग्रहण और विश्लेषण में उतना अच्छा नहीं है। वहीं, डेटा के बहुत बड़े समूह से एक विचार का सार निकालना एक ऐसा कौशल है जो अभी भी हमारे स्टूडेंट्स को प्रदान करने योग्य है।

यह कहना हैं आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी का। आईआईटी इंदौर की ओर से शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर संस्थान के सभी संकाय सदस्यों के बीच विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान, स्टूडेंट्स के बीच ध्यान आकर्षित करने के लिए आवश्यक रणनीतियों और दृष्टिकोणों व 'शिक्षा का भविष्यः बदलती दुनिया के लिए स्टूडेंट्स को तैयार करना' पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। इन चर्चाओं के माध्यम से शिक्षा के नए चलन के बारे में श्रोताओं को जागरूक किया गया और स्टूडेंट्स के बदलते मनोविज्ञान पर जोर दिया गया, ताकि वे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

इन्हें किया सम्मानित

कार्यक्रम में सेंटर ऑफ पेडागॉजी एंड करिकुलम एक्सीलेंस के सलाहकार प्रोफेसर प्रमोद एस. मेहता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संस्थान ने प्रोफेसर कपिल आहूजा, प्रोफेसर सुनील कुमार व प्रोफेसर आई. ए. पलानी को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया।

बड़े बदलाव का संकेत

आईआईटी बॉम्बे के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के एमेरिटस फेलो प्रोफेसर ए.के. सुरेश बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। सूचना क्रांति के बारे में बात की, जिसकी परिणति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के साथ हुई और इस पर उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में हुए विकास शैक्षिक परिदृश्य में बड़े बदलावों का संकेत देते हैं। हम जिस समय की बात कर रहे हैं, उस समय भी सूचना तक पहुंच, उस सूचना के विश्लेषण और उस सूचना से जिसे 'ज्ञान' कहा जा सकता है, के संश्लेषण के संदर्भ में विकास हो रहा है, हमें (क) जो पढ़ाते हैं उसकी प्रासंगिकता, (ख) उभरते शैक्षिक परिदृश्य में सीखने का क्या अर्थ है और (ग) स्टूडेंट्स के लिए रोचक, प्रासंगिक और उपयोगी बने रहने के लिए शिक्षण कैसे किया जाए, इस पर सवाल उठाने पर मजबूर करेगा।